अंक – 91 03.11.2025 सोमवार

कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

समाहरणालय कैमूर

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- रोचक तथ्य
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

अमर्त्य सेन

एक भारतीय अर्थशास्त्री एवं नोबेल पुरस्कार विजेता

अमर्त्य सेन एक भारतीय अर्थशास्त्री और दार्शनिक हैं, जिनका जन्म 3 नवंबर, 1933 को कोलकाता में हुआ था। उन्हें 1998 में कल्याणकारी अर्थशास्त्र में उनके योगदान के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला था।

सेन ने सामाजिक चयन सिद्धांत, अकाल के आर्थिक सिद्धांत और विकास अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें 1999 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न भी प्रदान किया गया था।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा :

अमर्त्य सेन का जन्म 3 नवंबर, 1933 को शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में हुआ था।

उन्होंने कोलकाता के शांतिनिकेतन, प्रेसीडेंसी कॉलेज और कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की है।

उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त हुई थी।

करियर और शिक्षण :

उन्होंने जादवपुर विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भी पढ़ाया है।

वर्तमान में, वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के ट्रिनिटी कॉलेज के मास्टर भी रहे हैं।

प्रमुख योगदान और पुरस्कार

उन्हें कल्याणकारी अर्थशास्त्र और सामाजिक चयन सिद्धांत में उनके योगदान के लिए जाना जाता है, जिसके लिए उन्हें 1998 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्हें 1999 में "भारत रत्न" से भी सम्मानित किया गया था।

उन्होंने "गरीबी और अकाल: अधिकार और अभाव पर एक निबंध" (Poverty and Famines: An Essay on Entitlement and Deprivation) जैसी कई प्रभावशाली पुस्तकें लिखी हैं।

वह मानव विकास सिद्धांत के विकास में भी शामिल रहे, जिसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रकाशित "मानव विकास रिपोर्ट" में दर्शाया गया है।

1. प्रार्थना

प्रार्थना

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।...2
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार!
मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार!
तू वाल्मीकि की रामायण,
तू वैशाली का लोकतंत्र!
तू बोधिसत्व की करुणा है,
तू महावीर का शांति मंत्र!
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू ही अक्षत चंदन बिहार!
तू है अशोक की धर्म ध्वजा,
तू गुरु गोविंद की वाणी है!
तू आर्यभट्ट, तू शेर शाह,
तू कुंवर सिंह की बलिदानी है!
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदनवन बिहार!
तेरी गौरवगाथा अपूर्व,
तू विश्वशांति का अग्रदूत!
लौटेगा हमारा स्वाभिमान,
अब जाग चुके तेरे सपूत!
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार!
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार!

छात्र – प्रतिज्ञा

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय ; विचार, अभिव्यक्ति , विश्वास , धर्म और उपासना की स्वतंत्रता ; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत , अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशीष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"समय का सदुपयोग करने वाला ही जीवन का श्रेष्ठ उपयोग कर पाता है।"

3. दिवस विशेष

अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व दिवस:

यह दिवस 2022 से हर साल मनाया जाता है और इसका उद्देश्य जैव विविधता के संरक्षण और पारिस्थितिक तंत्र की बहाली के महत्व को उजागर करना है।

विश्व जेलिफ़िश दिवस:

यह समुद्री जैव विविधता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

राष्ट्रीय गृहिणी दिवस:

यह दिवस घरेलू महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

4. आज का इतिहास

1838: 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' अखबार पहली बार मुंबई में 'द बॉम्बे टाइम्स एंड जनरल ऑफ कॉमर्स' के रूप में प्रकाशित हुआ।

1903: पनामा को कोलंबिया से स्वतंत्रता मिली।

1957: सोवियत संघ ने लाइका नाम के एक कुत्ते को 'स्पुतनिक-2' अंतरिक्ष यान में बिठाकर अंतरिक्ष में भेजा। वह अंतरिक्ष में जाने वाली पहली जीवित प्राणी थी।

1997: जी-15 समूह का सातवां शिखर सम्मेलन कुआलालंपुर में शुरू हुआ।

2019: दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब होने के कारण स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की गई।

5. सामान्य ज्ञान

1. भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता कौन थे? उत्तर: रवीन्द्रनाथ टैगोर
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार किस क्षेत्र में मिला? उत्तर: साहित्य
3. रमन प्रभाव की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार किस भारतीय वैज्ञानिक को मिला? सी. वी. रमन
4. भारत में मानवीय सेवाओं के लिए किस व्यक्तित्व को 1979 में शांति का नोबेल पुरस्कार मिला? उत्तर: मदर टेरेसा
5. अमर्त्य सेन को किस विषय में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया? उत्तर: अर्थशास्त्र
6. आनुवंशिकी अनुसंधान के लिए 1968 में किस भारतीय मूल वैज्ञानिक को नोबेल पुरस्कार मिला? उत्तर: हरगोविंद खुराना
7. तारकीय संरचना और चंद्रशेखर सीमा पर शोध के लिए किस वैज्ञानिक को नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ? उत्तर: सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर
8. राइबोसोम संरचना पर शोध के लिए 2009 में नोबेल पुरस्कार किस भारतीय मूल वैज्ञानिक को मिला? उत्तर: वेंकटरमन रामकृष्णन
9. 2014 में बाल अधिकारों के लिए विश्व स्तर पर कार्य करने हेतु किस भारतीय को शांति का नोबेल प्राप्त हुआ? उत्तर: कैलाश सत्यार्थी

6. शब्द ज्ञान

स्वर वर्णों के मिलने से होने वाले विकार या परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं। आसान शब्दों में, जब दो स्वर (जैसे अ, आ, इ, ई आदि) आपस में मिलते हैं, तो वे मिलकर एक नया स्वर बनाते हैं। इस प्रक्रिया में जो बदलाव आता है, वही स्वर संधि है।

उदाहरण : विद्या + आलय = विद्यालय , परम + अर्थ = परमार्थ, नदी + ईश = नदीश

देव + इंद्र = देवेंद्र , सूर्य + उदय = सूर्योदय, एक + एक = एकैक

7. कंप्यूटर ज्ञान

ब्राउज़र (Browser):
इंटरनेट पर वेबसाइट खोलने के लिए प्रयोग किया जाने वाला सॉफ्टवेयर। जैसे:Chrome, Firefox, Edge

8. तर्क ज्ञान

यदि APPLE → 50 , BANANA → 33 तो GRAPES का मान ज्ञात करें।
तर्क: वर्ण क्रमांक का योग
APPLE → 1+16+16+12+5 = 50
BANANA → 2+1+14+1+14+1 = 33 तो GRAPES → 7+18+1+16+5+19 = 66

9. प्रेरक प्रसंग

कल्पना चावला की प्रेरणादायक कहानी

हरियाणा के करनाल शहर में 17 मार्च 1962 को एक बच्ची का जन्म हुआ। परिवार ने नाम रखा कल्पना, परंतु सपने ऐसे थे जो आकाश से भी आगे जाने वाले थे। बचपन में जब बच्चे गुड्डे-गुड़िया से खेलते थे, तब कल्पना कागज पर हवाई जहाज और अंतरिक्ष यान बनाती थीं। स्कूल जाते समय वे आसमान में उड़ते विमानों को निहारतीं और कहतीं कि एक दिन उन्हें भी आसमान जीतना है। परिवार साधारण था, परंतु माता-पिता ने उनकी रुचि को समझा और प्रोत्साहन दिया। कल्पना ने अपनी पढ़ाई पूरी की और चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। उस समय लड़कियों का इंजीनियरिंग क्षेत्र में जाना बहुत कम होता था, फिर भी उन्होंने सामाजिक सीमाओं को चुनौती दी। उच्च शिक्षा के लिए वे अमेरिका गईं और वहां एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर तथा पीएच.डी. की। कठिन परिश्रम और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के कारण वे नासा में चयनित हुईं। यह वह क्षण था जब उनके सपनों को असली पंख मिले। 1997 में कल्पना चावला को पहली बार स्पेस शटल कोलंबिया मिशन STS-87 में अंतरिक्ष जाने का अवसर मिला। यह ऐतिहासिक क्षण था, क्योंकि वे भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनीं। उन्होंने अंतरिक्ष में कई वैज्ञानिक प्रयोग किए और पृथ्वी को अंतरिक्ष से निहारने का अनुभव किया।उनकी दूसरी उड़ान वर्ष 2003 के कोलंबिया मिशन STS-107 में हुई। यह मिशन भी वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। परंतु 1 फरवरी 2003 को शटल के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटना हुई और कल्पना चावला सहित सातों अंतरिक्ष यात्रियों का निधन हो गया।अमर प्रेरणाकल्पना चली गईं, परंतु उनके सपने, संघर्ष और साहस आज भी लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं।

10. बूझो तो जानें

ऐसा क्या है जो खुद चलता नहीं, फिर भी पूरी दुनिया को चला देता है?

उत्तर: समय

11. रोचक तथ्य

पौधे सूर्य के प्रकाश में अपना भोजन तैयार करते हैं। इस प्रक्रिया को प्रकाश–संश्लेषण कहा जाता है। पौधों की पत्तियों में पाए जाने वाले क्लोरोफिल रंगद्रव्य से यह प्रक्रिया संभव होती है।

13. विभागीय सूचना

1. अक्टूबर माह के PBL MIP को अभी तक मात्र 62% विद्यालयों ने पूरा किया है | बाकि बचे सभी विद्यालय आज MIP को पूरा करके google लिंक को जरुर भर देंगे |

2. वीरगाथा 5.0 को सभी विद्यालय अपने अपने विद्यालयों में आयोजित करके पोर्टल अपलोड करना सुनिश्चित करें |